हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शनिवार 23 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

माँ तुझे प्रणाम योजना हेतु आवेदन पत्र 4 सितम्बर तक आमंत्रित

मण्डला। राष्ट्रवाद की भावना से ओत-प्रोत ''माँ तुझे प्रणाम योजना'' म.प्र. शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र की सीमाओं के प्रति आदर का भाव विकसित करना, भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत कराना साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण, नेतृत्व विकास पर मार्गदर्शन दिया जाना है। योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए विकासखण्ड स्तर पर 15 से 25 वर्ष (दिनांक 31 दिसम्बर 2026 तक हो) के 10 युवाओं (05 युवक एवं 05 युवतियों) का चयन भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की अनुभव यात्रा प्रदेष के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक स्थानों से परिचयन कराये जाने के लिये किया जाना है। विकासखण्ड स्तर पर चयन में 01 एन.सी.सी., 01 एन.एस.एस., 01 खिलाड़ी, 01 मेधावी छात्र, 01 स्काउट एवं इसी मान से युवतियों का चयन किया जाना है। आवेदन पत्र के साथ फिटनेस सर्टिफिकेट/चिकित्सा, जोखिम एवं संबंधित थाने चरित्र प्रमाण पत्र, युवाओं के स्वयं के बैंक खाते की जानकारी (पासबुक की फोटोकॉपी, अकाउण्ट नम्बर, आई.एफ.एस.सी कोड) जमा करना अनिवार्य है। पूर्व में अनुभव यात्रा पर भेजे गये युवाओं का चयन नहीं किया जावेगा। योजना के आवेदन विभागीय वेबसाइट www.dsywmp.gov.in से भी प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र 04 सितम्बर 2025 तक कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण इण्डोर स्टेडियम मण्डला में जमा किया जा सकता है।

मंत्री सांसद और विधायक का किया पुतला दहन

जीएसयू ने किया उग्र प्रदर्शन

*** संगठन की मांग प्राचार्य पति पर हो एफआईआर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

बीते दिनों निवास के सिंगपुर स्थित आदर्श एकलव्य आदिवासी छात्रावास में कुप्रबंधन के चलते 15 वर्षीय छात्रा शिल्पा मरावी की मौत व अनेकों छात्रों के बीमार होने की घटना के बाद लापरवाह स्टाफ़ पर प्रशासन द्वारा की गयी दोनों अधीक्षकों के निलंबन की कार्रवाई से नाखुश और आउट सोर्स महिला स्वास्थ्य कर्मचारी को बर्खास्त किये जाने से नाराज गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने उग्र प्रदर्शन करते हुये चक्का जाम कर मंत्री सम्पतिया उइके, मंडला सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते और कांग्रेस विधायक चैनसिंह बरकड़े का पुतला फूंका, संगठन के मुताबिक उक्त बड़े नेताओं के रहते जिले में इस तरह की गंभीर वारदात होना आदिवासी समाज के हित में नहीं है।

निवास सहित मंडला, नारायणगंज, बीजाडांडी आदि क्षेत्रों से आये जीएसयू के युवा छात्रों ने निवास के राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह तिराहे में एकत्र होकर सर्वप्रथम मृतक छात्रा के चित्र समक्ष मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की, रैली के दौरान हाथों में तत्खतियाँ लिये युवाओं द्वारा जिला प्रशासन और कलेक्टर मुर्दाबाद के नारे लगाये गये, छात्र संगठन की मांग थी कि प्राचार्य मोनिका रोहिल्ला के पति सतीश रोहिल्ला पर भी एफआईआर व दंडात्मक कार्रवाई हो।

आंदोलनकारियों ने यह भी शंकास्पद आरोप लगाया कि मोनिका की अनुपस्थिति में उक्त प्राचार्य पति हो सकता है छात्रों के साथ असभ्य पेश आता रहा हो, जिसे स्थानीय प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया और इस पर कार्रवाई न कर जानबूझकर इसको छोड़ दिया गया।

आक्रोशित युवा नेता प्रशासन से कुछ अव्यवहारिक मांगे पूर्ण करने लिखित में मांग कर रहे थे जिस पर स्थानीय प्रशासन ने कहा यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है, आप अपनी मांगे ज्ञापन में दे दीजिये हम उसे जिला के उच्चाधिकारियों तक भेज देंगे, मामले में प्रथम दृष्टया जो भी दोषी पाये गये हैं उन पर जिला शीर्ष अधिकारी द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है।

आदिवासी समाज नेता और जीएसयू ने दिये ज्ञापन में कलेक्टर मंडला, बीईओ निवास, बीएमओ निवास को तत्काल हटाने व पीड़ित परिवार के एक सदस्य को शासकीय नोकरी की मांग और प्राचार्य पति पर एफआईआर न होने की दशा में पंद्रह दिन बाद फिर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

उक्त प्रदर्शन का स्थानीय साप्ताहिक बाजार का दिन होने से एक ओर जहाँ आम नागरिकों व दुकानदारों को दिक्कत पेश आई वहीं पुलिस प्रशासन भी शुरक्षा के मद्देनजर खासे पुलिस बल के साथ मुस्तेद रही।

थानों में पदस्थ बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों पर बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन गुरुवार को जिला कण्ट्रोल रूम मंडला में किया गया। प्रशिक्षण माननीय मजिस्ट्रेट महोदय किशोर न्याय बोर्ड, अति. पुलिस अधीक्षक जिला मंडला, उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा जिला मंडला की उपस्थिति की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में विधि से संघर्षरत, देखभाल और संरक्षण योग्य बच्चों के लिए बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों के कर्तव्यों एवं उनकी कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया। विधि विरुद्ध बालकों के सम्बन्ध में माननीय किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किए जाने तक पालन किये जाने वाले कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने बालश्रम और पोक्सो एक्ट को लेकर भी पालन करने योग्य आवश्यक कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी।

शंकाओं का किया समाधान

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों से संबंधित मामलों में आने वाली विभिन्न प्रकियाओं और समस्याओं के बारे में बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों की विभिन्न शकांओ का भी समाधान किया। प्रशिक्षण में थानों में कार्यरत जिला बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

अतिथि शिक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक

मण्डला। अतिथि शिक्षक संघ ब्लाक शाखा नारायणगंज के तत्वावधान में दिनांक 24/08/2025 दिन रविवार समय 12 बजे स्थान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नारायणगंज मैं गंभीर मुद्दों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। विकास खंड नारायणगंज के समस्त अतिथि शिक्षक गणों से अपील है कि बैठक में समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें। सभी अतिथि शिक्षक गणों की बैठक में उपस्थित अनिवार्य है।

आगामी पर्वों के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट की उपस्थिति में गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी एवं आगामी पर्वों के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला योजना भवन में हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत अध्यक्ष मंडला संतोष सोनू भलावी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, मंडला एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीओपी पीयुष मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी त्यौहार आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्वक मनाने का आग्रह किया गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पंडालों में बिजली के तारों की सुरक्षा रखी जाए एवं लोहे के खम्भों पर विद्युत कनेक्शन सावधानीपूर्वक लगाएं। विद्युत लाइन के नीचे प्रतिमा की स्थापना न करें। प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित कृत्रिम विसर्जन कुंडों में ही किया जाए। तैराक की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन करें। किसी भी प्रकार का जुलूस निकालने के पूर्व सक्षम अधिकारी से लिखित में अनुमति प्राप्त करें। मार्गों पर समुचित साफ-सफाई एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करें। पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने निर्देशित किया कि ऐसे स्थान जहां पर प्रतिमा पंडाल स्थापित होने से आवागमन बाधित होता है, उन स्थानों को अनुमति प्रदान न करें। संबंधित अधिकारी गणेश उत्सव समिति की सूची बनाकर संबंधित थाने में उपलब्ध कराएं। बैठक में मिलाद-उन-नबी के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में घरों में स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगरपालिका परिषद की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई। इसके लिए चिन्हित स्थानों पर चलित अथवा स्थाई रूप से कुंड या ड्रम की व्यवस्था किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने धार्मिक पर्वों के दौरान नगरीय सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराया एवं सीएमओ नगरपालिका से तत्संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। बैठक के दौरान मंडला एवं महाराजपुर दोनों थाना क्षेत्रों में क्षेत्रीय आयोजकों के साथ पुनः बैठक कराने के संबंध में निर्देशित किया गया।

थीम वाइस रैंकिंग के विषयों को गंभीरता पूर्वक समझना जरुरी : जिला पंचायत सीईओ

*** पंचायत उन्नति सूचकांक संबंधी प्रशिक्षण जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पंचायत के समग्र विकास के प्रदर्शन मापक के रूप में पीएआई 2.0 (पंचायत उन्नति सूचकांक) क्रियान्वित किया जा रहा है। जिला पंचायत के सभाकक्ष में शुक्रवार को पीएआई 2.0 का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के आरंभ में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने कहा कि शासन द्वारा अब विभिन्न पोर्टल और एप्लीकेशन के जरिये डाटा के बेहतर प्रबंधन की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। पंचायत उन्नति सूचकांक में सभी के लिए थीम वाइस रैंकिंग के विषयों को गंभीरता पूर्वक समझना जरुरी है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रत्येक विभागवार सूचकांकों के संबंध में विस्तृत चर्चा, पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षकों द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में प्रतिभागियों से की गयी। सहभागी प्रशिक्षण के माध्यम से पोर्टल पर प्रविष्टियों करना, सेल्फ मॉनिटरिंग, रैंकिंग, थीम वाइस प्राप्तांक आदि के विषय में विस्तार से प्रतिभागियों को समझाया गया। सेल्फ मानिटरिंग के माध्यम से अपनी कमियों का आंकलन और उसका विश्लेषण कर आगामी पीएआई 2.0 की प्रविष्टि हेतु पूर्व से तैयारी के विषय में लोगों ने समझा। इस अवसर पर क्षेत्रीय ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्था सिवनी के प्रशिक्षक सहित पंचायत विभाग के प्रतिभागी उपस्थित थे।

कार्यक्रम | विश्व हिंदू परिषद का 61वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न।

पाकिस्तान में रह रहे हिन्दुओं का लगातार हो रहा विघटन

*** बिछिया में आयोजित हुआ कार्यक्रम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर के एन.सी.सी. कम्प्यूटर सेंटर में विश्व हिन्दू परिषद का 61वां स्थापना दिवस कार्यक्रम नगर केंद्र बिछिया में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग संगठन मंत्री अरविंद तिवारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस विभाग से रिटायर्ड विश्राम सिंह मार्को एवं कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रखंड मंत्री राजू भाषंत द्वारा किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत श्रीरामदरबार में दीप प्रज्वलन तथा पूजन करके किया गया, सभी उपस्थित सनातनी समाज द्वारा एक स्वर में देशभक्ति गीत दोहराए गए। उसके पश्चात विभाग संगठन मंत्री अरविंद तिवारी द्वारा विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस के कारण एवं महत्व पर सूक्ष्म प्रकाश डाला गया। बतलाया गया कि 15 अगस्त 1947 को देश ऐसे ही स्वतंत्र नहीं हुआ, भारत में रह रहे मुस्लिम समाज द्वारा पहले एक मत होकर धर्म के आधार पर अलग देश पाकिस्तान की मांग करते हुए 14 अगस्त को लाखों निर्दोष हिन्दुओं की लाशों पर भारत माँ के दो टुकड़े कर दिए गए और उसके बाद भी राजनैतिक षडयंत्र के तहत बंटवारे में पाकिस्तान मांगने वाले मुस्लिम समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा भारत में ही ठहर गया। बंटवारे के बाद पाकिस्तान में रह रहे हिन्दू समाज का लगातार विघटन हुआ। उन्हें जबरन मुसलमान बना दिया गया और न मानने वाले हिन्दू समाज के हर तबके चाहे वो आदिवासी दलित या किसी और वर्ग का हो, उसकी हत्या कर दी गई। बंटवारे में बाद पाकिस्तान में जो लाखों हिन्दू थे, आज के पाकिस्तान में उनकी संख्या नगण्य हो चुकी है और अब यही खेल भारत में लगातार प्रारंभ है। कट्टरपंथी तथा ईसाई मिशनरी द्वारा लगातार हिन्दू समाज के गरीब दलित आदिवासी तबकों व सभी हिन्दुओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा के झूठे प्रलोभन एवं पाखंड द्वारा लगातार धर्मांतरण कर आपस में हिन्दुओं को लड़वाने का षडयंत्र कर भारत को पुनः विभाजन की स्थिति में लाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। लव जिहाद, लैंड जिहाद, जनसंख्या विस्फोट तथा धार्मिक हिंसा के द्वारा हिन्दू समाज को पहले जातियों में तोड़ने, फिर टुकड़ों टुकड़ों में उनका दमन करने का कुचक्र लगातार विदेशी कट्टरपंथी, वामपंथी, ईसाई मिशनरी ताकतों द्वारा किया जा रहा है, ताकि हिन्दू समाज में आपसी फूट उत्पन्न हो और भारत माता के और टुकड़े किए जा सकें। प्रकृति पूजक सनातनी हिन्दू समाज इन सभी षड्यंत्रों और कु चक्रों को समझे, सावधान रहे, एक रहे तथा एकजुटता से इन देशविरोधी धर्मविरोधी ताकतों का सफाया करे, तभी हमारा देश अखंड रहेगा, हिन्दू समाज अखंड होगा, तभी देश का गौरव उच्च शिखर पर होगा। जब तक इस देश में हिन्दू समाज में एकभाव है, तब तक ही यहां कानून, संविधान और प्रजातंत्र का अस्तित्व है। कोई कट्टरपंथी ईसाइयों का धर्मांतरण नहीं करते, कोई ईसाइ पादरी कट्टरपंथियों का धर्मांतरण नहीं करते, ये दोनों मिलकर बस हिन्दू समाज को धर्मांतरण करते हैं, ताकि भारत का मूल सनातन धर्म समाप्त हो सके और फिर से भारत विदेशी ताकतों का गुलाम बन सके। जब जब हिन्दू समाज में फूट हुई है, इन विदेशी ताकतों ने देश के कानून संविधान को धता बताकर भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संरचना को नष्ट भ्रष्ट करने का कुचक्र रचा है। हिन्दू समाज के विरुद्ध चल रहे इसी देशव्यापी विश्वव्यापी षडयंत्र को समाप्त करने के उद्देश्य से तथा भारत एवं सारे विश्व के हिन्दुओं को एकसूत्र में बांधने के उद्देश्य से कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ मुहूर्त में सन् 1964 को विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना हुई। 'हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दूः पतितो भवेत। मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्रः समानता।।' अर्थात 'सब हिन्दू भाई है, कोई भी हिन्दू पतित नहीं है। हिंदुओं की रक्षा मेरी दीक्षा है, समानता यही मेरा मंत्र है।' यही विश्व हिन्दू परिषद का प्रमुख उद्घोष है, जिसका सदा आचरण हम सभी सनातनी हिन्दुओं को करना नितांत आवश्यक है। इस प्रकार के उदगार विभाग संगठन मंत्री अरविंद तिवारी द्वारा दिए गए।

नगर में फिर आवारा पालतू जानवर का आतंक, नहीं सुधर रहे पशुपालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मंडला जिले की जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरिया में आवारा जानवरों का आतंक बहुत अधिक बढ़ गया है पशुपालक सुबह होते ही इन्हें चरने छोड़ देते हैं जिसके कारण अब इनका जमावड़ा सार्वजनिक स्थानों, सड़क स्कूलों के समीप तथा किसानों के खेतों में आतंक मचाते हैं।

एक दिन कारवाई के बाद भी नहीं है सुधार

कुछ दिनों पूर्व पंचायत प्रशासन ने आवारा पशुओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुछ पशु मालिकों पर जुर्माना लगा कर पशुओं को पंचायत क्षेत्र से हटाया भी तथा परंतु अब एक बार फिर पशु मालिक अपने पुरान रवैए में नजर आने लगे हैं

स्कूली बच्चों का गली मोहल्लों में निकलना दूभर, कर देते हैं हमला

गली मोहल्लों में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों का इन आवारा सांडों के कारण निकलना दूभर हो गया है यह आवारा जानवर कभी भी किसी पर भी हमला करने के लिए दौड़ जाते हैं जो कि गंभीर विषय है, सूत्र अनुसार लोगों की पंचायत से अपील है कि फिर से पंचायत प्रशासन कड़ी कार्रवाई करे जिससे लोग बाग शांति तथा बिना डर खौफ के गली मोहल्लों चौराहों पर जा सके।

खबर संक्षेप

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियाँ, शहरों बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाया जा रहा अपना गोरख धंधा

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं, इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा, इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं,पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं, इतना ही नहीं इन तथाकथित कंपनियों ने अनेक शासकीय कर्मचारियों को भी अपनी गिरफत में ले लिया हैजो अपने एजेन्ट बनाने के लिये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभाव डालकर उन्हें इस कंपनी की लिंक चैन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार की कंपनी द्वारा लखपति बनाये जाने के मायाजाल में फंसे कर्मचारियों की जाँच होनी चाहिये और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिये, कुछ कर्मचारियों की तो यह स्थिति है कि वह अपनी पत्नियों के नाम से कंपनी में जुड़कर अपने ईमानदारी से करने वाले कार्य को नजरअंदाज कर इस कार्य में लगे हुये हैं जिसके कारण यह कंपनियाँ दिन दुगना रात चौगुना जाल फैलाती जा रही हैं।

ताश पत्तों पर हार जीत का दांव लगाते हुये गिरफ्तार

चीचली। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम गोटीटोरिया में छापा डालते हुये मौके से पप्पू पिता कमलेश कौरव निवासी पुआरिया, हल्के पिता रम्पा ठाकुर निवासी मोहपानी, मुबारिक उर्फ मुब्बू पिता गप्फार खान निवासी गोटीटोरिया को ताश पत्तों पर हार जीत का दाव लगाते हुये रंगे हाथों पकड़ते हुये आरोपियों के पास से ताश पत्ते एवं नगदी 700 रूपया तथा ग्राम आडेगांव में रामसेवक पिता जगन्नाथ उर्फ बडे भैया कौरव, धमेन्द्र पिता शिव कुमार कौरव, गुड्डू पिता कोमल कौरव सभी निवासी ग्राम आंडेगांव को भी जुंआ खेलते हुये पकड़कर आरोपियों के पास से ताश पत्ते व नगदी रूपया जप्त करते हुये धारा 13 जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पैसों की लेनदेन की बात को लेकर डंडो से की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस निरंजन वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे दोस्त मोहम्मद से पैसों का लेनदेन चल रहा था। बीते हुये दिवस जब प्रार्थी के पिता फेजुद्दीन ने दोस्त मोहममद से पैसों मांगे तो मुहम्मद एवं उसके लड़को शाहरूख व इमरान द्वारा प्रार्थी के पिता के साथ गंदी गंदी गालिया देते हुये डंडो से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

ग्रामीण क्षेत्रों की सड़को पर फैली घुटना-घुटना कीचड़ उजागर कर रही पंचायतों के विकास कार्यों की सच्चाई

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के नाम पर हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करने के साथ ग्राम पंचायतों के सरपंचों को अधिक पावर देने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर सरकार द्वारा विकास के नाम पर दिये जाने वाला पैसा कहा खर्च हो रहा है इस बात की आज तक जांच नही होने के कारण जहां गफलत बाजी करने वालों के हौसले बुलंद होते चले जा रहे है तो दूसरी ओर गांवों का विकास कार्य कागजों तक ही सीमित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है..?सच्चाई यह है कि आज क्षेत्र के अनेक गांवों की बीस तीस साल पहले जैसी स्थिति में घुटनों घुटनो तक कीचड़ के बीच से आम लोगों को अपने कपड़े ऊंचे करते हुये निकलने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई समीपस्थ सांईखेड़ा हो या फिर चीचली तथा चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है..? बताया जाता है कि गांवों में प्रवेश करने वाले मार्गो पर फैल रही कीचड़ निश्चित तौर से बीस तीस साल पुराने गांवों के रास्तों की याद को ताजा करने में पीछे नही है तो दूसरी ओर सरकार द्वारा अंतिम छोर तक विकास पहचाने वाली सोच पर भी प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। क्षेत्र के अनेक गांवों का यह हाल बना हुआ है कि लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिये घुटनों घुटनों तक कीचड के बीच का रास्ता पार करते हुये पहुंचना पड़ रहा है। इस तरह बीते हुये सरपंचों के पांच साल के कार्यकाल व वर्तमान सरपंचों के तीन साल के कार्यकाल के दौरान किये गये विकास कार्यो की पोल खोलने में पीछे नही है। गांवों के मार्गो पर इस तरह कीचड का साम्राज्य देखने मिल रहा है कि मानों वह किसी गांव के रास्ते न होकर खेतों को पहुंचने वाले मार्ग हो.., अनेक गांवों के मार्गो के दर्शन करते हुये लोगों को जहां बीस साल पहले की स्थिति याद आने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर हाल यह बने हुये कि इस कीचड के बीच से जहां मासूम बच्चों से लेकर बुजुर्गो का निकलना मुश्किल हो रहा है तो दूसरी ओर महिलाओं को आये दिन कीचड के बीच से ही पीने का पानी भरते हुये देखे जाने पर सरकार की विकास बादी सोच से लेकर पंचायत द्वारा अब तक किये गये ग्राम विकास के नाम पर खर्च की गई राशि सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है। यदि पंचायत द्वारा बीते हुये कार्याकाल से लेकर अब तक पंचायत में किये गये कार्यो की जांच की जावे तो निश्चित तौर से करोडो की राशि खर्च होने का रिकार्ड मिलने से नही चूक पायेगा और इसके बाद भी जब ग्रामवासियों को घुटनों भर कीचड़ के बीच निकलते हुये देखा जाता है तो पंचायत के विकास कार्य अपने आप ही कटघरे में आने से नही चूक पाते है कि जब आज भी गांवों की स्थिति बीस साल पहले जैसी बनी हुई है। मगर हैरत की बात है कि गांवों में विकास के नाम पर करोड़ो खर्च होने के बाद जब सूरत नही बदल पा रही है तो फिर किसी अधिकारी द्वारा जांच करने के लिये न पहुंचना इस बात को उजागर करने में पीछे नही है कि ग्रामीण विभाग के नाम पर सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि की मलाई खाने में विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के मिली भगत होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? इन ग्रामों में यदि बारिश के दौरान कोई बीमार हो जाता है तो उसकी जिन्दगी भगवान भरोसे बनने से नही चूक पाती है। इतना ही नही सरकार द्वारा लगातार स्वच्छता का संदेश देते हुये गांवों में स्वच्छता के नाम पर राशि पहुंचाई जा रही है। मगर गांवों में फैल रही गंदगी स्वच्छता अभियान पर ग्रहण लगाने में पीछे नही है। बदहाली की शिकार हो रही पंचायतों की सच्चाई को मीडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी जहां अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रही है। वही दूसरी ओर हैरत इस बात की है कि इस सब के बाद भी जिला मुख्यालय से लेकर तहसील स्तर की बागडोर संभालने वाले अधिकारियों को काफी बुद्धिमान बताये जाने के बाद भी आज तक इन अधिकारियों द्वारा इस तरह गांवों में हुई गफलत बाजी को पकड़ने में असफल रहना निश्चित तो देश के सबसे कठित परीक्षा को पास करने वाले इन अधिकारियों की योग्यता पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है? आमजन का कहना है कि यदि निष्ठावान अधिकारियों द्वारा पंचायतों के विकास कार्यो की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ यहां पर कागजों पर दौड़ाये ये विकास के घोड़ो की लगाम पकड़ में आने से नही बच पायेगी?

आज पोला पर्व होने के चलते बाजार में सजी काठ के घोडा व मिट्टी के बैलो की हुई बिक्री

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। बच्चों का प्रिय माने जाने वाला पोला पर्व कल 23 अगस्त को पोला पिठोरा के रूप में जावेगा, जिसके चलते घरो में महिलाओं द्वारा खुरमा बत्तियॉ बनाने के साथ मान्यता के अनुसार काठ के घोड़ो के पूजन की तैयारियॉ पहले से ही कर ली गई । वही दूसरी ओर पोला पर्व आने के पूर्व शहर के बाजार क्षेत्र, झंडाचौक में विभिन्न आकार प्रकार के काठ के घोड़ों, रंग बिरंगी गोदरियो की दुकानें सजी नजर आ रही है और झंडाचौक पर बच्चों के क्षतिग्रस्त हो गए काठ के घोड़ो की मरम्मत का काम करने वालो ने भी डेरा जमा लिया है, जिसके चलते काठ के घोडों की दुकानों पर बड़ी संख्या में शहर के नन्हे मुन्ने बच्चे पहुॅच अपनी पसंद का काठ का घोड़ा खरीद पोला पर्व मनाने के अपने उत्साह का प्रदर्शन करते हुये देखे जा रहे है। इस दौरान खास बात यह है इस वर्ष काष्ट शिल्पियो ने झंडाचौक पर आधुनिक डिजाईन के काठ के घोड़ों की रेंज सजा बच्चो की पोला का त्यौहार मनाने की खुशी दोगुनी कर दी है। झंडाचौक पर काठ के घोडो की दुकाने लगाने वालो का कहना है कि वर्तमान में सागौन की लकड़ी की कमी के चलते काठ के घोड़े 200 से लेकर 375 रू. तक बिक रहे है। इसके अलावा सतकटा की लकड़ी से निर्मित ट्राली वाले ट्रेक्टर तथा लकड़ी की पोला पर्व पर लगने वाली सामग्री काफी कम कीमत पर बेची जा रही है। इस प्रकार से पोला पर्व के चलते नगर का प्रमुख स्थल माने जाने वाले झंडाचौका पर जिस प्रकार से दुकानें सजकर तैयार हुई तो वहां पर बच्चों की भीड़ उमड़ने में कोई कसर नही छोड़ रही थी। वही आज रात के समय लोगों ने अपनी पुरानी पंरपराओं के अनुसार घरों में पोला के पर्व की बडे ही विधि विधान के साथ पूजन की जावेगी।

बसेड़िया परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समाज सेवा में सदा ही अग्रणी रहने वाले नगर के वरिष्ठ समाजसेवी व सामाजिक, धार्मिक कार्यो के साथ पीड़ित मानव सेवा में सदैव लगे रहने वाले मुकेश बसेड़िया को सनातन धर्म व ब्राह्मण हितों तथा सर्व जन कल्याण में कार्य करन पर प्रदेशव्यापी संगठन परशुराम सेना का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया । बताया जाता है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त विष्णु राजोरिया अध्यक्ष परशुराम कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश शासन द्वारा संरक्षक राकेश चतुर्वेदी परशुराम सेना तथा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रेम गुरु की अनुशंसा एवं प्रदेश अध्यक्ष पं. अनूप शुक्ला सहित संभाग प्रभारी मुकेश चतुर्वेदी एवं प्रदेश महामंत्री सुनील उपाध्याय की सहमति से मुकेश बसेड़िया की नियुक्ति की गई है। बसेडिया की नियुक्ति के अवसर पर कृषक नेता व राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के संस्थापक शिवकुमार शर्मा कक्काजी, डॉ प्रियेश दीक्षित, मनोज शर्म सहित अन्य लोग मौजूद थें।

मोगली बाल उत्सव के तहत स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बच्चों के शिक्षा में सुधार लाने व गुणवत्ता की परख जांचने के लिये समय समय पर स्कूलों इस तरह की प्रतियोगिताये आयोजित की जाती है जिससे बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा उभरकर सामने आ सके। इसी के चलते शासकीय स्कूलों में मोगली बाल उत्सव के तहत छात्र छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इस प्रतियोगिता हेतु कक्षा 5 से 8 वीं तक के छात्र छात्राओं को कनिष्ठ वर्ग एवं कक्षा 9 वीं से 12 वीं के छात्र छात्राओं को वरिष्ठ वर्ग में शामिल किया गया था। शाला स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने मोगली का परिवार, प्रकृति का संरक्षण, जल संरक्षण, कचरे के दुष्प्रभाव, विश्व पर्यावरण दिवस सहित अनेक विषयो पर अपनी पसंद अनुसार निबंध लिखें। शाला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ निबंध वाले छात्र छात्राओं को जनशिक्षा केंद्र, ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता हेतु नामांकित किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं की अहम भूमिका रही।

सीतारेवा नदी के किनार हर वर्ष किसानों को निगल रही नदी, बीते हुये पांच वर्षो में कई एकड़ जमीन नदी के अंदर समा चुकी

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र के किसान प्रकृति की मार से लगातार जूझते हुये अपनी जिन्दगी की गाडी को खीचते चले जा रहे है। मगर चीचली क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों की जमीन सीतारेवा नदी के किनारे होने के कारण जहां नदी में बाढ़ आने की स्थिति में उनकी फसल असुरक्षित हो रही है तो दूसरी ओर लगातार उनकी जमीन नदी में समाहित होने से गायब होती चली जा रही है। यदि बीते हुये पांच वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नदी के किनारे लगे हुये अनेक किसानों की कई एकड़ जमीन पानी के बहाव में समाते हुये गायब हो चुकी है।

मगर आज तक शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा इस किसानों की राहत पहुंचाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया है। इस तरह हर वर्ष किसानों के रकवे में लग रही सेंध को लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नदी में बाढ का पानी आते ही उनकी जमीन की मिट्टी नदी के पानी में बह जाने के कारण खेत रेत में तब्दील हो चुका होता है। यदि राजस्व विभाग इस सच्चाई का पता लगाने के लिये खुद के माध्यम से नदी किनारे खेती करने वाले इन किसानों की जमीन की नाप कराते हुये रकवे की जांच कराये तो सैकड़ो एकड़ जमीन मौके से गायब मिलेगी मात्र कागजों में ही किसानों का रकवा दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद चौकाने वाली सच्चाई तो उस समय देखने मिलती है कि इन किसानों के नाम पर दर्ज भूमि नदी में समाहित होने के बाद यदि यह किसान उसी जमीन से रेत उठाने का प्रयास करते है तो प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस तरह खुलेआम प्रशासन व प्रकृति मिलकर इन किसानों की जमीन का बगैर किसी आर्थिक मदद के अधिग्रहण करते हुये चला जा रहा है। इस तरह सीतारेवा नदी में समाहित हो रही किसानों की भूमि को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुये यह आवाज उठाई जा रही है कि जिन किसानों की जमीन नदी में तब्दील हुई है उस जगह से रेत विक्रय करने का उन्ही किसानों को अधिकार मिलना चाहिये।

प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन प्रक्रिया 29 अगस्त को

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के आदेश अनुसार क्षेत्र की समस्त शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं कक्षा 1 से 8 तक संचालित संयुक्त माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन प्रक्रिया 29 अगस्त को पूर्ण की जावेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा एसएमसी गठन के लिये समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिये विस्तृत आदेश जारी किया गया है। ज्ञात हो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बेहतर प्रबंधन एवं शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए शाला प्रबंधन समितियों का गठन दो वर्षीय कार्यकाल के लिये किया जाता है। इन समितियां बच्चों के शाला नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और अधोसंरचना कार्यो के साथ बच्चों के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन समितियों में शाला में अध्ययनरत बच्चों के 14 पालक, शाला के प्रधान शिक्षक, प्रवरिष्ठत महिला शिक्षिका तथा स्थानीय वार्ड के पंच/पार्षद तथा स्थानीय निकाय के सरपंच/अध्यक्ष/महापौर द्वारा नामित अन्य वार्ड की एक महिला पंच/पार्षद के रुप में निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल रहते हैं। इन समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन विद्यार्थियों के अभिभावकों में से किया जाता है। वहीं शाला के प्रधान शिक्षक समिति के सदस्य सचिव होते हैं। शासन द्वारा शाला के स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे गए हैं। इन समितियों का कार्यकाल आगामी 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित होगा।स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालकों एवं अभिभावकों से 29 अगस्त को स्कूल पहुंचकर, शाला प्रबंधन समिति से जुड़ने और शालाओं के विकास कार्यों में सहभागी बनने की अपेक्षा जताई गई है।

लेडी नदी पुल पर कीचड़ ही कीचड़, आये दिन फिसलकर गिर रहे वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज/सडूमर। जहां एक ओर लोगों को अच्छी सुविधाए देने के लिए जहां तहां सड़को का निर्माण हो रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि पूर्व की बनी हुई सड़क जहां बदहाल स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसकी ओर न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारी। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत ग्राम सडूमर से कौड़ियि मार्ग पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इस मार्ग पर सड़क का निर्माण कुछ समय पहले ही हुआ था और चंद दिनों में टूटना शुरू हो चुकी सड़क अपनी गुणवत्ता की कहानी कहने से नही चूक रही है। इतना ही नही इस मार्ग पर ग्राम महगंवा व चिर्रिया के बीच पड़ने वाली लेडी नदी पुल एवं सड़क मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ होने के कारण यहां से आने जाने वाले दो पहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे है और घायल हो रहे है। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस प्रकार से बदहाल हो रही सड़क नदी के पुल पर हो रही कीचड़ के चलते दिन में तो वाहन चालक जैसे तैसे पुल पार करके निकल जाते है, लेकिन रात्रिकालीन समय अधिकांश घटनाएं होती है,इस मार्ग से प्रतिदिन सडूमर, कौड़यि, सुपारी, देगुंवा, तिगवां, मंहगवा, नया गांव आदि ग्रामों के लोगों का आना जाना लगा रहता है, इसके आलवा क्षेत्र के छात्र छात्राओं द्वारा भी कौड़यि या गाडरवारा शिक्षा ग्रहण करने के लिए इसी मार्ग से आना जाना करते है जिनको यहां की नदी के पुल पर फैले हुए कीचड़ के साम्राज्य के चलते परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? अतः क्षेत्र के लोगों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ संबंधित अधिकारियों से सड़स सुधार के साथ साथ पुल की मिट्टी हटवाये जाने की मांग की गई है।

साप्ताहिक हाट बाजार की उपेक्षा, तंबू लगाकर चला रहे दुकानदार अपनी दुकाने

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। कहने को तो धूनीवाले दादा की नगर तहसील की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत मानी जाती थी जो अब नगर पंचायत हो गई है। मगर यहां पर लोगों को सुविधाएं के नाम पर कुछ नही मिल पा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो साईंखेड़ा में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार प्रशासनिक उपेक्षा के कारण बदहाली से गुजर रहा है। सप्ताह के हर बुधवार के दिन लगने वाले इस बाजार में आस पास के अनेक गांवों के लोग यहां पर पहुंचते है, जो अपनी जरूरत की बस्तुओं को खरीदते है। वही बताया जाता है कि बुधवार के दिन ही यहां पर मवेशी बाजार भी लगता है जिसमें दूरस्थ स्थानों से पशु मालिक अपने मवेशी लेकर आते है। परन्तु दुर्भाय की बात है कि साप्ताहिक बाजार में व्यापारियों के लिये सुविधा के नाम पर कुछ भी नही है, जो मुख्य मार्ग के दोनों ओर अपने अपने तंबू लगाते हुए अपनी दुकाने लगाते है। मुख्य सड़क के दोनों ओर बैठने वाले दुकानदार नगर पंचायत को टैक्स तो देते हैं। परन्तु उन्हे किसी भी प्रकार की सुविधा पंचायत द्वारा नही दी जाती है, जो बरसात के दिनों में बाजार में भीगते हुए तथा गर्मी के दिनों में तेज धूप की तपन के साथ अपनी दुकानदारी करने के लिये मजबूर है? इतना ही नही जिस मार्ग पर यह बाजार लगता है वह मार्ग अब सीधे प्रदेश की राजधानी से जुड जाने के कारण इस मार्ग से दिन भर भारी वाहनों का आना जाना भी लगा रहता है, जिसके कारण इन वाहनों से इन दुकानों की जान को तो खतरा बना ही रहता है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए भी खतरा की घंटी बजती रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रति बुधवार को यहां पर लगने वाले सब्जी एवं मवेशी बाजार से नगर पंचायत को अनुमानित तौर पर कम से कम 20 हजार रूपये से भी अधिक के मान से राजस्व प्राप्त होता होगा? मगर नगर पंचायत द्वारा इनकी व्यवस्था के लिए आज तक कोई पहल नही की गई है, जिससे यह अंदाजा लग रहा है कि नगर पंचायत सिर्फ इनसे पैसा बसूलने के शिवा कुछ नही कर रही है? आमजन का मत है कि क्षेत्र के सबसे बड़े बाजार के लिये यदि अच्छा मार्केट बनाते हुए दुकानों का निर्माण किया जावे तो निश्चित तौर से सांईखेड़ा साप्ताहिक बाजार की सूरत बदल सकती थी, मगर पता नही अब तक ऐसा क्यों नही हो पा रहा है।

खबर संक्षेप

कार्यकर्ता/सहायिका नियुक्ति की आपत्ति करना हुआ और भी आसान, अभ्यर्थी न हों परेशान, मोबाइल से भी आपत्ति कर सकेंगे दर्ज

डिंडौरी। वर्तमान में जिले के समस्त विकासखण्डों के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। परियोजनाओं के आंगनवाड़ी केंद्रों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर पोर्टल पर प्रकाशन किया जा चुका है। जिन अभ्यर्थियों को आपत्ति दर्ज करना है, उन्हें प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस के भीतर आपत्ति दर्ज करनी होगी।

आपत्ति दर्ज करने के लिए किसी भी एमपी ऑनलाइन केंद्र पर आवेदन किया जा सकता है। यदि किसी स्थान पर एमपी ऑनलाइन केंद्र उपलब्ध नहीं है या नेटवर्क की समस्या के कारण आपत्ति दर्ज नहीं हो पा रही है, तो ऐसी स्थिति में विभाग द्वारा निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए जिला पंचायत कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग कलेक्ट्रेट कार्यालय तथा समस्त परियोजना कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग को अधिकृत किया गया है, जहां संपर्क कर आपत्ति दर्ज की जा सकती है। इसके अतिरिक्त नागरिकों की सुविधा को देखते हुए अभ्यर्थी स्वयं अपने मोबाइल फोन से भी आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

मरीजों की शिकायतें सुनकर भड़के एसडीएम, बीएमओ को लगाई फटकार

एसडीएम ने किया करंजिया अस्पताल का औचक निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर जताई नाराज़गी

डिंडौरी। करंजिया ब्लॉक अंतर्गत आने वाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर सुर्खियों में है। लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के बाद शुक्रवार को बजाग एसडीएम रामबाबू देवांगन ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही, साफ-सफाई की खराब स्थिति और डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराज़गी जाहिर की।

औचक निरीक्षण से हड़कंप

अचानक पहुंचे एसडीएम देवांगन ने सबसे पहले अस्पताल परिसर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दवाओं के स्टॉक की जानकारी ली और फार्मेसी रजिस्टर चेक किया। उन्होंने यह भी पूछा कि करंजिया अस्पताल को कितनी मात्रा में दवाइयों की आवश्यकता पड़ती है और किस अवधि में उनकी रिन्यूअल या सप्लाई होती है। एसडीएम ने ओपीडी पर्ची काटने वाले कर्मचारियों को फटकार लगाई।

डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर सख्त रुख

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि अस्पताल में नियमित रूप से डॉक्टर समय पर उपलब्ध नहीं रहते। इस पर एसडीएम ने फोन पर बीएमओ को फटकार लगाई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि डॉक्टरों की गैरहाजिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा— ₹हमेशा डॉक्टर नदारद रहते हैं और फ्री में वेतन लेते हैं। मैं जनता की समस्याएँ सुनूंगा, न कि बहाने। मेरे लिए सबसे ज़रूरी मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता है।₹

साफ-सफाई और भोजन पर जताई नाराज़गी

अस्पताल परिसर में गंदगी देखकर एसडीएम ने गुस्सा जताया। उन्होंने कर्मचारियों को चेतावनी दी कि स्वच्छता पर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना जरूरी है। इस पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मरीजों और परिजनों से की बातचीत

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात की। उन्होंने उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली और उपचार की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मरीजों ने अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और अव्यवस्था की शिकायत भी की। कई मरीजों ने बताया कि साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है और समय पर उचित दवा उपलब्ध नहीं हो पाती।

अकेले डॉक्टर पर निर्भर अस्पताल

निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि अस्पताल में अधिकांश समय पर सिर्फ एक डॉक्टर ही उपलब्ध रहते हैं। डॉ. मंजीत रावत अकेले ही अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं और कई बार दूसरे डॉक्टरों की जगह भी उन्हें बुला लिया जाता है। कर्मचारियों और मरीजों ने माना कि डॉ. रावत डबल ड्यूटी करने को मजबूर हैं, क्योंकि अन्य डॉक्टर समय पर उपस्थित नहीं रहते।

मीडिया से बोले एसडीएम

निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए एसडीएम ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं और इसका मुख्य कारण है बीएमओ की अनुपस्थिति। उन्होंने कहा ₹बीएमओ समय पर उपलब्ध नहीं रहते, जिसके कारण पूरे सिस्टम पर कंट्रोल नहीं हो पाता। निरीक्षण में साफ-सफाई का अभाव और डॉक्टरों की अनुपस्थिति पाई गई। इस मामले में सीएमएचओ को रिपोर्ट भेजी जाएगी और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।₹

कार्रवाई के संकेत

एसडीएम ने कहा कि अस्पतालों में समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी डॉक्टर या कर्मचारी अपनी ड्यूटी में लापरवाही करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। एसडीएम ने सीएमएचओ से इस संबंध में चर्चा करने और दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने की बात कही।

लगातार सुर्खियों में करंजिया अस्पताल

गौरतलब है कि करंजिया अस्पताल पिछले कई महीनों से सुर्खियों में बना हुआ है। स्थानीय मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित हो रही हैं कि अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, दवा वितरण में अनियमितता और साफ-सफाई की लचर व्यवस्था बनी हुई है। कई बार मरीज और उनके परिजन भी विरोध दर्ज करा चुके हैं।

जनता की उम्मीदें

एसडीएम के इस औचक निरीक्षण से लोगों में उम्मीद जगी है कि अब अस्पताल की स्थिति में सुधार होगा। ग्रामीणों का कहना है कि करंजिया अस्पताल ब्लॉक का मुख्य स्वास्थ्य केंद्र है, जहां आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। ऐसे में यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होना बेहद जरूरी है।

मजदूरों की मजदूरी हड़पी, अधूरे कामों का कराया फर्जी भुगतान

सरपंच-सचिव पर ग्रामीणों का गंभीर आरोप

डिंडौरी। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत गीधा में भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। समस्त ग्रामवासियों ने जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपकर वर्ष 2024-25 में कराए गए विकास कार्यों की जांच की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में सीसी रोड निर्माण कार्य में मजदूरों को नगद भुगतान का आश्वासन देकर काम कराया गया, लेकिन आज तक 64 मजदूरों को 19-19 दिवस का भुगतान नहीं हुआ। इसी तरह छापर नाला में नियम विरुद्ध 100 मीटर की दूरी पर दो चेक डेम्प बनवाए गए, जो गुणवत्ताहीन हैं और मजदूरी का भुगतान भी अटका हुआ है। इसके अलावा सोकता गड्ढा कार्य अधूरा होने के बावजूद भुगतान कर दिया गया। पुराने पंचायत भवन की नीलामी से प्राप्त 15 हजार रुपये, हाट-बाजार की नीलामी राशि और लिप्टिस पेड़ों की राशि पंचायत खाते में जमा न कर व्यक्तिगत उपयोग में ली गई।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरपंच पार्वती बाई धूमकेती ने वार्ड पंचों के मानदेय की राशि अपने खाते में डाल ली, जबकि किसी भी पंच को मानदेय नहीं मिला। साथ ही खेत तालाब सहित अन्य निर्माण कार्यों में भी अनियमितता कर राशि का आहरण किया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत के सभी कार्यों का भौतिक सत्यापन कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्राम पंचायत गीधा में सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

- पंचों ने लगाई गंभीर आरोपों की झड़ी

डिंडौरी। बजाग जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गीधा में सरपंच पार्वती बाई के खिलाफ निर्वाचित पंचगणों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पंचों ने यह प्रस्ताव जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा।पंचों ने आरोप लगाया है कि सरपंच द्वारा पंचायत के कार्यों में निरंतर लापरवाही, अनियमितता और मनमानी की जा रही है। इसके कारण ग्राम पंचायत की विकास योजनाएँ प्रभावित हो रही हैं तथा जनहित से जुड़े कार्यों की अनदेखी की जा रही है। पंचगणों के अनुसार, ग्रामवासियों की शिकायतों और आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिससे पंचायत की गरिमा एवं विकास कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। साथ ही, निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी पारदर्शिता का अभाव बताया गया है। निर्वाचित पंचगणों ने संयुक्त रूप से मांग की है कि मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 21 के तहत नियमानुसार विशेष बैठक आहूत कर मतदान कराया जाए, ताकि सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जा सके।

वसुधैव कुटुंबकमर विषय पर व्याख्यान का आयोजन

- शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम

डिंडौरी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय के अंतर्गत "वसुधैव कुटुंबकम" पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव के मार्गदर्शन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रभारी डॉ. अनिल झारिया के संयोजन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. प्रदीप तिवारी ने विश्व बंधुत्व, सनातन धर्म एवं ज्ञान की परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए विविध नैतिक स्लोगन प्रस्तुत किए, जिनसे छात्र-छात्राएं मंत्रमुग्ध हो उठे। अन्य वक्ताओं ने भी "वसुधैव कुटुंबकम" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सभी वॉलिंटियर्स एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं ने "वसुधैव कुटुंबकम" के आदर्शों को अपने जीवन में आचरण रूप में उतारने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश शासन की यह पहल विद्यार्थियों में नैतिक विकास, अनुशासन तथा गुरु-शिष्य परंपरा को आत्मसात कर भारतवर्ष को विश्व गुरु बनाने की दिशा में सराहनीय कदम सिद्ध हो रही है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की नवीन इकाई में हो रही देरी से लोगों में निराशा

परियोजना का समय पर पूरा होने मे असमंजस

हरिभूमि न्यूजचचाई। मध्य प्रदेश के ऊर्जा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की प्रस्तावित नवीन इकाई के निर्माण में लगातार हो रही देरी के संबंध में भाजपा अनूपपुर किसान मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि स्थानीय लोगों और सरकारी अधिकारियों के बीच इस देरी ने निराशा पैदा कर दी है यह परियोजना जिसकी अनुमानित लागत हजारों करोड रुपए है राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए नवीन इकाई अत्यंत आवश्यक है। इस परियोजना में 660 मेगावाट की नवीन सुपर क्रिटिकल तकनीक आधारित इकाई स्थापित की जानी है मार्च 2023 में मध्य प्रदेश सरकार ने इस विस्तार के लिए रुपए 46 65.87 करोड़ की प्रारंभिक लागत को मंजूरी दी थी बाद में जनवरी 2024 में यह अनुमानित लागत बढ़कर 5600 करोड़ हो गई जिसे केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी। इस इकाई का मुख्य उद्देश्य राज्य की भविष्य की ऊर्जा जरूरत को पूरा करना और बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है यह परियोजना मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के एक संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित की जा रही है जिसका लक्ष्य 2027-28 तक परिचालन शुरू करना है। परियोजना के लिए कुछ भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रारंभिक कार्य चल रहे हैं, लेकिन निर्माण की धीमी गति एक बड़े चिंता का विषय है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की बड़ी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने हेतु एक मजबूत कार्य योजना और तीव्र गति से काम करने की आवश्यकता है धीमी गति के कई कारण हो सकते हैं जिसमें प्रशासनिक अड़चनें वित्तीय विलंब और ठेकेदारों के चयन में लगने वाला समय होता है। स्थानीय लोगों में निराशा का एक बड़ा कारण इस परियोजना से रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद थी जो अब अधर में लटकी हुई दिख रही है युवा वर्ग व्यापारी समुदाय इस परियोजना के जल्द प्रारंभ होने का इंतजार है ताकि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके परियोजना को पटरी पर लाने के लिए सरकार और संबंधित कंपनियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है कुछ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है समयबद्ध तरीके से निविदाओं को पूर्ण करना और निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करना आवश्यक है यदि परियोजना में और विलंब होता है तो लागत में भी 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है जिसका बोझ अंततः राज्य के खजाने पर पड़ेगा। लोगों द्वारा उम्मीद की जा रही है कि संबंधित विभाग इस मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाएंगे ताकि अमरकंटक की अति आवश्यक महत्वपूर्ण इकाई अपने निर्धारित समय पर बिजली उत्पादन शुरू कर सके और राज्य की ऊर्जा जरूरत को पूरा किया जा सके।

जनशिक्षकों को मिली सक्षम कार्यक्रम की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी

डिंडौरी। सक्षम कार्यक्रम की प्रगति और प्रभावी संचालन की जिम्मेदारी अब जनशिक्षकों के हाथों में होगी। जनशिक्षक कार्यक्रम की गतिविधियों पर नजर रखेंगे, शिक्षकों, मास्टर ट्रेनर्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित कराएंगे तथा समीक्षा व प्रतिक्रिया के माध्यम से सुधार सुनिश्चित करेंगे।

इसी क्रम में आज 21 अगस्त 2025 को डिंडौरी जिले के मेंहदवानी विकासखंड में जनजाति कार्य विभाग और मैजिक बस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सक्षम कार्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2023 से जनजातीय जिलों में संचालित हो रहा है और अब इसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों को सौंपी जा रही है। प्रशिक्षण का संचालन विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री एच.एस. मेश्राम और ब्लॉक स्रोत समन्वयक श्री आनंद दुबे के मार्गदर्शन में हुआ। प्रशिक्षण मैजिक बस के मास्टर ट्रेनर श्री संजय गौतम और ब्लॉक प्रबंधक श्री अनुराग दुबे द्वारा दिया गया। इस अवसर पर सक्षम कार्यक्रम जिला प्रबंधक श्री महारन प्रताप सिंह परमार भी उपस्थित रहे। मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत जनशिक्षक गूगल लिंक के माध्यम से सत्र अवलोकन कर एसक्यूएमएफ फॉर्म भरकर डिजिटल रिपोर्टिंग करेंगे। संकुल स्तर पर जनशिक्षक, ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 23 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

अध्यक्ष पंकज, महामंत्री बने विकास बड़कुल

गोटेगांव। विगतदिवस श्रीदेव पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर न्यास के चुनाव उपरांत चुने गए 11 सदस्यों की पहली बैठक विद्या भवन में जिला अध्यक्ष राजकुमार जैन एवं जिला संरक्षक सिंघई अनिल जैन की विशेष उपस्थिति एवं चुनाव पर्यवेक्षक नरेश जैन निर्मल जैन अंकु जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जिसमें पंकज जैन अनुपम को सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना गया इसी प्रकार विकास बड़कुर को महामंत्री संदीप जैन विद्या को कोषाध्यक्ष चुना गया ट्रस्ट कमेटी में 4 उपाध्यक्ष चुने गए जिसमें डॉ अनिल जैन चक्रेश जैन सचिन जैन टीटू एवं पंकज जैन रामनिवारी को चुना गया, मंत्री के रूप में संजय जैन गुड्डू सचिन जैन चिन्नू एवं प्रचार मंत्री के रूप में दीपक जैन को नियुक्त किया गया वही सहकोषाध्यक्ष के रूप में संजय जैन कूड़ा वाले ने अपने दायित्व को ग्रहण किया । विशेष रूप से उपस्थित पार्षद मनीष जैन ने बताया कि सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आगामी तारीख 24 दिन रविवार को दोपहर 3 बजे विद्या भवन में आयोजित किया जाएगा। चुनाव के उपरांत 11 सदस्यों एवं सभी के निर्वाचन पर उनके शुभचिंतकों एवं मित्रों ने सामाजिक बंधुओ ने बहुत-बहुत बधाइयां शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

वृद्ध को सर्प ने काटा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस खेत में काम कर रहे वृद्ध को सर्प ने काट लिया। पुलिस ने बताया कि मथुरा पिता रतन सिंह लोधी उम्र 65 वर्ष निवासी मुराछ थाना ठेमी को खेत मे काम करते समय सर्प ने काट लिया। जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

किशोर ने खाया चूहामार

नरसिंहपुर। गत दिवस किशोर द्वारा अज्ञात कारणों से चूहामार का सेवन कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरिफ खान पिता अकरम खान उम्र 17 वर्ष निवासी मुर्गाखेड़ा द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से चूहामार का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

युवती ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस युवती द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली दवा का सेवन कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र स्टेशनगंज निवासी युवती द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

कलेक्टर ने किया स्कूल व स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

प्रधान पाठक व शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गोटेगांव विकासखंड के शासकीय एकीकृत हाई स्कूल वेदू और शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मेख में शिक्षक बनकर पहुंची। यहां उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने अपने समक्ष विद्यार्थियों से पाठ पढ़वाए। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मेख में लापरवाही बरतने पर प्रधान पाठक व प्राथमिक शाला के शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार व सहायक परियोजना समन्वयक समीर त्यागी भी मौजूद थे।

छात्रा आशी यादव ने सामाजिक विज्ञान का पाठ पढ़कर सुनाया। इस दौरान उन्होंने अपने समक्ष कई बच्चों से लेखन पाठ भी करवाया। कलेक्टर ने बच्चों से भविष्य में कौन से क्षेत्र में जाना चाहते हैं, के संबंध में पूछा। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय का चयन करने के लिए शिक्षकों की सहायता लें। उन्होंने बच्चों से सम- विषम संख्या के बारे में पूछा और होमवर्क की नोट बुक देखी। उन्होंने बच्चों को मिलने वाले होमवर्क के बारे में पूछा और उस होमवर्क को घर में करते हैं या नहीं, तो बच्चों ने हां कहते हुए जवाब दिया। कलेक्टर ने बच्चों से कहा कि आप मन लगाकर पढ़ाई करें और आगे बढ़ें। बच्चों से गणित विषय के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन गणित के पहाड़े को पढ़ें और अपने ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी प्रश्न पूछने पर संकोच नहीं करना चाहिए। हमें निरूसंकोच होकर प्रश्न पूछना चाहिए और प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए।

प्रधानपाठक व शिक्षकों को नोटिस

इसी प्रकार शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मेख में बच्चों से शिक्षण संबंधी संवाद कर उनसे पढ़ाई के बारे में पूछा। कक्षा चैथी की छात्रा प्राप्ति एवं खुशबू और कक्षा 5 वीं की छात्रा परिधि से शिक्षण के संबंध में चर्चा की और उनकी पढ़ाई के बारे में जाना। शिक्षकों द्वारा बच्चों के शैक्षणिक गतिविधियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने और एफएलएम वर्कबुक पर समय अनुसार कार्य नहीं करने पर कलेक्टर ने प्रधान पाठक और प्राथमिक शाला के शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों से मिलने वाले मध्यान्ह भोजन के बारे में पूछा। कलेक्टर ने बच्चों से पूछा कि मेन्यू के अनुसार भोजन मिलता है कि नहीं, इस पर बच्चों ने मेन्यू के अनुसार भोजन मिलने की बात कही। स्कूल के निरीक्षण के पूर्व उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां दर्ज बच्चों की संख्या की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को समय पर पोषण आहार वितरित किया जाए। उन्होंने पोषण ट्रैकर के बारे में भी जानकारी ली।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्टाफ की जानकारी ली। यहां होने वाले प्रसव, ओपीडी, दवाई स्टोर की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन कक्ष का अवलोकन भी किया। ज्ञात हो कि करकबेल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे डॉक्टरों मनमानी लंबे समय से जारी है। आए दिन मरीज को परेशान होने की जानकारी मिलती रहती है। वही कलेक्टर द्वारा भ्रमण कर जायजा लिया गया जिससे व्यवस्थाओं मे सुधार होने की संभावना प्रतीत हो रही है।

बहुजन समाज पार्टी ने मांगों को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विधानसभा नरसिंहपुर 119 के अंतर्गत आने बाली ग्राम पंचायत जरजोला के लॉरेल्स स्कूल के आगे रहने वाले 25-30 परिवार के लिए आवासीय विद्युत व्यवस्था डी.पी. स्थापित करवाने उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि मुझे ग्राम पंचायत जरजोला के रहवासियों का निर्माण पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें उन्होंने अपने क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती एवं वसीय विद्युत की आपूर्ति व्यवस्था नहीं होने से अवगत कराया है, तथा अपने अपने घरों में आवासीय विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था न होना अवगत कराया है तथा यह भी बताया है कि इस संबंध में उन्होंने अपने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सरपंच से कई बार निवेदन कर दिया है साथ ही क्षेत्रीय विधायक को भी आवेदन किया है किन्तु आज तक उनके लिए विद्युत व्यवस्था हेतु जी.पी. स्थापित नहीं की गई है इसके

अलावा उपरोक्त और भी संदर्भित समस्याओं की जानकारी प्राप्त हुई है जिस संबंध में बहुजन समाज पार्टी नरसिंहपुर निम्नलिखित मांगों को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत करती है। ग्राम धमना में स्वतंत्रता दिवस के दौरान धमना निवासी रामदयाल चौधरी के साथ हुई गाली गलौज, जातिसूचक अपमान एवं मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी के संबंध में कार्यवाही करने गोटेगांव के अंतर्गत ग्राम सिलारी स्थित टुडे एनर्जी कंपनी द्वारा धोखाधडी कर एस. सी. एस.टी. ओ. बी. सी. की भूमियों के अधिग्रहण किए जाने एवं ग्राम इमलिया (कल्याणपुर) के जगमोहन कौरव द्वारा अनुसूचित जाति (मेहतर) जाति की महिला से प्रेम विवाह करने पर कौरव समाज द्वारा सामाजिक बहिष्कार करने एवं किसानों को पर्याप्त यूरिया एवं खाद की आपूर्ति कराए जाने हेतु बहुजन समाज पार्टी ने ज्ञापन सौंप कर की कार्रवाई की मांग।

मवेशियों की समस्यायों को लेकर भामा वासियों ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा । इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में निराश्रित मवेशियों की समस्यायों के कारण लगभग हर वर्ग परेशान बना हुआ है। जहां सड़कों पर आवागमन बाधित हो रहा है। सड़क दुघर्टनाओं में निराश्रित मवेशियों की संख्या बाधित बनीं हुई है वहीं खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।इसी विषय को लेकर विगत दिनों समीपी ग्राम भामा के किसानों ने सामूहिक रूप से तेंदूखेड़ा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर निराश्रित मवेशियों की समस्यायों से निजात दिलाने की मांग की गई है। सौंपे गए ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि बीच सड़कों पर निराश्रित मवेशी बैठा करते हैं। जिससे आवागमन में भारी असुविधा हो रही है। घटनाएं दुर्घटनायें भी बढ़ रही है। खेतों में बकरियां और पालतू सूकरों को चराने वाले सीधे चराने ले जाते हैं। यदि उनको मना किया जाता है तो लड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।इन सभी मवेशियों को जंगलों में छोड़ दिया जाये। और ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालक यदि सार्वजनिक रूप से मवेशियों को छोड़कर चले जाते हैं तो उन पर भी दंडात्मक कार्यवाही कर अर्थदंड से भी दंडित किया जाना चाहिए। अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जाये। तथा धार्मिक स्थलों पर शराब पीकर आने वाले उत्पाद मचाने वाले शराबियो पर भी दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम के सभी प्रतिष्ठित जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

घटनाओं के वाबजूद सबक नहीं ले रहा बैंक प्रबंधन

पार्किंग व्यवस्था ना होने से सड़कों पर लगता है जाम

तेंदूखेड़ा। इन दिनों पार्किंग व्यवस्था को लेकर विवादों की मुख्य बजह देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन ने भी सुधार की दिशा में पार्किंग वाले क्षेत्रों में नोटिस भेजना किया है। तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय में भी कुछ सड़क मार्ग सड़कें चौड़ी बन जाने के बाद भी पार्किंग व्यवस्था और आवागमन में पीड़ा दायक बनें हुए हैं। तेंदूखेड़ा के पुराने बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी तरफ जाने वाली सड़क मार्ग पर बैंकिंग क्षेत्र की संस्थाओं डाक्टरों की क्लीनिकें सोने चांदी और अनाज व्यापारियों की दुकानें बड़ी संख्या में हैं। लेकिन इस सड़क मार्ग पर आज स्थिति यह बनीं हुई है कि चौड़ी सड़क बन जाने के बाबजूद भी सड़क आज सकरी बनीं हुई है।मनचले तरीके से लोगों को बाहन खड़ा करके जाना सामने तरफ से आने वाले भारी वाहनों को बाहन निकालने में होने वाली परेशानी हाट टांक देखने को मिला करती है।

बैंकों के सामने नहीं है पार्किंग व्यवस्था

मंडी सड़क मार्ग पर मुख्य रूप से राष्ट्रीयकृत बैंकों की दो शाखाएं संचालित है लेकिन इनके सामने पार्किंग की कोई उचित व्यवस्था ना होने के कारण शाखाओं के बाजू से रहने वाले अन्य व्यापारी वर्ग रहवासी परेशान बनें हुए हैं।आये दिन बाहन खड़ा करने को लेकर कहासुनी होना अब आम बात हो गई है। बैंकों के प्रबंधनों को चाहिए कि अपने अपने व्यवसाय के चक्कर में दूसरे अन्य व्यापारी वर्ग परेशान ना हो।

नगर में नहीं है पार्किंग व्यवस्था

तेंदूखेड़ा नगर में मुख्य रूप से पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। शनिवार के दिन लगने वाले साप्ताहिक बाजार या फिर प्रमुख डाक्टरों के क्लीनिकों के समीप मरीजों को लेकर आने वाले वाहनों को खड़ा करने की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है।बाहन भी यहां वहां खड़े करने से उनकी सुरक्षा को लेकर बड़ी समस्या बनी हुई है। तेंदूखेड़ा के स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इस दिशा में प्रमुखता से उचित व्यवस्था बनाई जाये।

आध्यात्मिक वैज्ञानिक एवं आयुर्वेद सम्मत हैं महिलाओं के व्रत

तेंदूखेड़ा। भाद्रपद मास में महिलाओं के लिए कल्याण प्रद और मनोवांछित फलों को प्रदान करने वाले हलषष्ठी हरितालिका ऋषि पंचमी संतान सप्तमी के साथ सभी सनातन धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण कुशोत्पाटिनी अमावस्या (पोला) गणेश उत्सव और भगवान विष्णु के पार्श्व परिवर्तन का महापर्व डोल ग्यारस भी इसी महीने मनाया जाता है। जिनमें महिलाएं अपनी संतान और पति परिवार की सुख समृद्धि यश कीर्ति के लिए व्रत किया करती है।

कुशोत्पाटिनी अमावस्या कल

भादों माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को कुशोत्पाटिनी कुशग्रहिणी अमावस्या कहा जाता है ।इस दिन विधिपूर्वक गृहण किया गया कुशा देव कार्य पितृ कार्य और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए एक वर्ष तक वैद्य माना जाता है।

हरितालिका तीजा व्रत पर बना हस्त नक्षत्र का विशिष्ट संयोग

भादों माह के शुक्लपक्ष की तृतीया को हरितालिका का व्रत किया जाता है।समस्त नारियों को सुख और अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाली भगवती पार्वती और शिव जी की कृपा प्राप्ति के लिए किया जाने वाला यह व्रत अहोरात्र निराहार और निर्जला रहने की परंपरा है। यह व्रत सौभाग्यवती स्त्री और मनोनुकुल वर को चाहने वाली कन्याओं को करना चाहिये। हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक ज्योतिष रत्न ज्योतिष शिरोमणि पं प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष हरितालिका व्रत के दिन पूरे दिन

रात हस्त नक्षत्र का विशिष्ट योग है। पौराणिक कथाओं में वर्णन आता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए भी हस्त नक्षत्र युता हरितालिका में व्रत और पूजन किया था।

श्रीगणेश जन्मोत्सव

भादों माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी बुधवार को विघ्नहर्ता गणेश जी का पावन प्राकट्योत्सव मनाया जायेगा।इसी के साथ गणेशोत्सव प्रारम्भ होकर अनन्त चतुर्दशी तक चलेगा।

ऋषिपञ्चमी

ज्ञात अज्ञात समस्त पापों की निवृत्ति नारी जाति के दोष निवारण और धन पुत्र पौत्र आदि सुख सौभाग्य को देने वाला ऋषि पंचमी का व्रत भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी 28 अगस्त गुरुवार को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि मध्याह्नकाल में व्रती नारियों के द्वारा देवी अरुन्धति सहित महर्षि कश्यप अत्रि भारद्वाज विश्वामित्र गौतम जमदग्नि वशिष्ठ आदि सप्त ऋषियों की विधिवत पूजा की जाती है।इस दिन बिना जुती भूमि से उत्पन्न वस्तुओं का उपयोग किया जाता है।

सूर्य षष्ठी व्रत

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की षष्ठी सूर्य षष्ठी कहलाती है विशेष रूप से सूर्य नारायण का पूजन किया जाता है। 29 अगस्त शुक्रवार को सूर्य षष्ठी मनाई जायेगी।इस दिन स्वामी कार्तिकेय के दर्शन पूजन का भी बड़ा महत्व है। पुत्र कामना से भी इस व्रत को किया जाता है।

सन्तान सप्तमी व्रत

30 अगस्त शनिवार को भाद्रपद शुक्लपक्ष सप्तमी को संतान सप्तमी का व्रत रहेगा। यह व्रत धर्मनिष्ठ कर्मनिष्ठ यशस्वी और दीर्घायु संतान की प्राप्ति के लिए किया जाता है। मातायें भगवान शिव पार्वती का विधिवत पूजन करके मालपुआ का भोग लगाती हैं। सोने अथवा चांदी के तार का चूरा और सात गांठ वाले रेशमी धागे की पूजा करके व्रती नारियां अपने हाथ में धारण करतीं हैं।इसे मुक्ताभरण और अपराजिता सप्तमी भी कहते हैं।

राधा अष्टमी

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधा कृष्ण के अटूट प्रेम का प्रतीक और सुख सौभाग्य समृद्धि को प्रदान करने वाला राधा अष्टमी का पर्व मनाया जायेगा।

पार्श्व परिवर्तनी डोल ग्यारस भगवान विष्णु के चातुर्मास के शयन के अंतर्गत ठीक दो महीने बाद भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी को भगवान का पार्श्व परिवर्तन होता है।इस दिन परम्परागत रूप से भगवान का विमान निकालने की प्रथा है। इसे जलझूलनी और डोल ग्यारस भी कहा जाता है।इस वर्ष 3 सितम्बर बुधवार को यह पर्व मनाया जायेगा।

मिष्ठान भंडार व दूध डेयरियों में गंदगी का लगा अंबार

रक्षाबंधन पर्व में कुछ ही दुकानों का औचक निरीक्षण कर की गई औपचारिकता पूरी

गोटेगांव में बगैर चिकित्सीय परीक्षण ब प्रमाण पत्र के कार्य कर रहे होटलों ब दूध डेयरीयो में नशेड़ी ब संक्रमित बीमारियों से ग्रसित युवाओं का जमावड़ा खाद्य अधिकारी की लगातार लापरवाही पड़ सकती हैं आमजन पर भारी होटल ब खाद्य पदार्थों की बिक्री के लिए चिकित्सीय परीक्षण की होती हैं अतिआवश्यकता मिलावट युक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री से आमजन को गंभीर बीमारी होने की आशंका जानकारी के लिए बता दूं कि फूड विभाग अधिकारी पदस्थ लंबे समय से हैं लेकिन उन्हें मिली जिम्मेदारी का कोई भी अहसास नहीं हैं ऐसा प्रतीत होता हैं चैन की नींद सो रहे फूड अधिकारी प्रत्येक तहसील में एक फूड अधिकारी को पदस्थ किया जाता हैं जिससे शहर में किसी भी प्रकार की मिलावटी सामग्री की बिक्री न हो सके लेकिन फूड अधिकारी की उदासीनता का परिणाम आमजन को भुगतना होगा दूध डेयरी संचालक अपनी अपनी गोदामों में मशीन लगाकर रखे हैं जिससे दूध की क्रीम निकालकर उसमें अनेकों केमिकल मिलाकर बिना किसी भय के पूरी निर्भीकता से आमजन को चुना लगा रहे हैं होटलों में कढ़ाई की सफाई नियमित नहीं होती जो सोया तेल उपयोग किया जाता हैं उसकी गुणवत्ता का एक मानक निर्धारित हैं लेकिन उन मानकों का कोई भी दुकानदार पालन नहीं करता एक ही तेल लगातार उस कड़ाई में उबलता रहता हैं जिससे कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती हैं चुकी फूड अधिकारी की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं होती उसका परिमाण आमजन को भुगतना होता हैं

फूड अधिकारी की क्या क्या हैं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जिनका निर्वहन करना हैं बेहद हैं जरूरी

फूड अधिकारी की मुख्य जिम्मेदारी खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। वे खाद्य पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण के विभिन्न चरणों में सुरक्षा मानकों का निरीक्षण करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि खाद्य पदार्थ मानव उपभोग के लिए सुरक्षित हैं फूड अधिकारी की कुछ मुख्य जिम्मेदारियां हैं

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

फूड अधिकारी रेस्तरां, खाद्य निर्माण संयंत्रों, और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैंखाद्य नमूनों का संग्रह वे खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र करते हैं और उन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सुरक्षित हैं और निर्धारित मानकों को पूरा करते हैं सुरक्षा मानकों का प्रवर्तन फूड अधिकारी खाद्य सुरक्षा कानूनों और नियमों को लागू करते हैं और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं जागरूकता बढ़ाना वे खाद्य सुरक्षा के बारे में जनता और खाद्य व्यवसाय संचालकों को शिक्षित करते हैं शिकायतों का निवारण फूड अधिकारी खाद्य सुरक्षा से संबंधित शिकायतों की जांच करते हैं और उनका निवारण करते हैं खाद्य व्यवसाय का पंजीकरण एमएमवे खाद्य व्यवसाय संचालकों को पंजीकरण जारी करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं फूड अधिकारी की भूमिका सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण है, और वे यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि जनता को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य पदार्थ उपलब्ध हों

इनका कहना है

बीते तीन दिन से फूड अधिकारी गोटेगांव को कॉल किया जा रहा हैं फूड अधिकारी द्वारा कोई भी कॉल रिसीव नहीं किया जा रहा हैं इसे क्या समझें लापरवाही या मनमानी

सरिका दुबे फूड अधिकारी

श्रीराम सनातन धर्म के आदर्श, कुल उत्थान ही सच्चा धर्मः शंकराचार्य स्वामी सदानंदजी

गोटेगांव । समीप धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज ने अपने चातुर्मास प्रवचन के अंतर्गत वाल्मीकि रामायण का विशद वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम केवल अयोध्या के ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण सनातन धर्म के लिए आदर्श पुरुष हैं। वे भारतीय संस्कृति के दर्पण हैं, जिनसे हमें आचरण, कर्तव्य और धर्म का मार्ग मिलता है। महाराजश्री ने सनातन परंपराओं की ओर संकेत करते हुए कहा आज हमारे समाज में शिखा, सूत्र,गणवेश, संध्या-पूजन,जप-तप जैसीअनिवार्य परंपराएँ धीरे-धीरे क्षीण हो रही हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने वर्णानुसार आचरण करें और अपने कुल के उत्थान पर चिंतन करें, क्योंकि कुल की उन्नति ही व्यक्ति की सच्ची पहचान है। जब श्रीराम वनवास पर गए, अयोध्या में महाराज दशरथ का देहांत हो गया। भरत ननिहाल (कैकय देश) में थे। जब उन्हें यह समाचार मिला तो वे तत्काल अयोध्या लौटे। वहां उन्होंने देखा कि अयोध्या महलों के बीच भी श्मशान जैसी उदासी छाई हुई है। पिता का निधन, भाई राम का वनवास और माता कैकयी के कारण इस विपत्ति का आना यह सब जानकर भरत शोकाकुल हो उठे। भरत ने माता कैकयी से कहा मां! पिताजी कहां हैंकैकयी ने उत्तर दिया वे परमपद को प्राप्त कर चुके हैं। फिर भरत ने पूछा राम-लक्ष्मण कहां हैंकैकयी ने उत्तर दिया मेरे दो वरदानों के

कारण वे वन गए हैं। यह सुनकर भरत का हृदय फट गया। उन्होंने अपनी माता को बहुत धिक्कारा और कहा मां! तुमने जो किया है, वह न केवल पितृवंश का नाश है बल्कि सम्पूर्ण अयोध्या का दुःख है।

वनगमन का निश्चय

भरत ने प्रण किया कि यदि श्रीराम वन में हैं तो मैं भी वन जाऊंगा और अपने प्रभु, अपने भैया राम को अयोध्या वापस लाऊंगा। मैं सिंहासन को राम के बिना स्वीकार नहीं करूंगा। इसके बाद भरत अयोध्या के समस्त मंत्रियों, गुरुजनों, माताओं और नगरवासियों के साथ वन की ओर प्रस्थान कर गए। उनके साथ विशाल सेना और वाहन भी चल पड़े।

निषादराज मिलन

वनमार्ग में भरत की भेंट निषादराज गुह से हुई। निषादराज श्रीराम के परम भक्त थे। उन्होंने भरत को देखकर पहले संदेह किया कि कहीं भरत भी कैकयी की तरह छल करने तो नहीं आए हैं। लेकिन जब भरत ने सत्य और धर्म का उद्घोष किया तो निषादराज के नेत्र भर आए। उन्होंने कहा राजकुमार! आप भी राम जैसे धर्मात्मा हैं। आइए, मैं आपको राम तक ले चलता हूँ। अंततः भरत अपने गुरु व माताओं के साथ चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने श्रीराम को देखा। भरत भूमि पर दण्डवत होकर गिर पड़े और रोते हुए बोले भैया राम! आप पिता के आज्ञाकारी पुत्र हैं, परंतु आप पर अन्याय हुआ है। अयोध्या की प्रजा आपके बिना अनाथ हो गई है। आइए, अयोध्या चलें और राजगद्दी स्वीकार करें। श्रीराम ने भरत को उठाया, गले से लगाया और कहा भरत! यह सब पिताजी की आज्ञा और धर्मपालन का प्रश्न है। मैं पिताजी के वचन का पालन करने आया हूं। मुझे 14 वर्ष का वनवास पूरा करना ही होगा। भरत ने कहा यदि आप अयोध्या नहीं चलेंगे तो मैं राज्य कैसे लूं? आप ही अयोध्या के स्वामी हैं। तब श्रीराम ने अपनी खड़ाऊं भरत को सौंप दीं और कहा भरत! इन खड़ाऊं को राजगद्दी पर रखकर राज्य चलाना। मैं वनवास से लौटकर स्वयं गद्दी संभालूंगा। भरत ने सिर झुकाकर उन पवित्र खड़ाऊं को स्वीकार किया और संकल्प लिया कि जब तक राम लौटकर नहीं आते, मैं स्वयं महलों में नहीं रहूंगा। मैं तपस्वी जीवन व्यतीत करूंगा और केवल इन खड़ाऊं के माध्यम से ही राज्य का संचालन करूंगा। इस प्रकार भरत-राम मिलन भारतीय संस्कृति में भाईचारे, त्याग और धर्मपालन की सर्वोत्तम मिसाल है। पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने इस प्रसंग से यह संदेश दिया कि परिवार, समाज और राष्ट्र का उत्थान तभी संभव है जब व्यक्ति व्यक्तिगत स्वार्थ छोड़कर धर्म और सत्य को सर्वोपरि माने।